

मौरेना स.क्रि. (तद्.) आम के वृक्ष पर मंजरी या बौर लगना, मंजरी युक्त होना, बौराना उदा. बौर महुए थे वहाँ और आम मौरे थे- मैथिलीशरण गुप्त।

मौख्य पुं. (तत्.) मूर्खता, बेवकूफी।

मौर्य पुं. (तत्.) मगध का एक प्रसिद्ध भारतीय राजवंश।

मौर्वी स्त्री. (तत्.) धनुष की प्रत्यंचा, कमान की डोरी।

मौल वि. (तत्.) 1. मूल से संबंध रखने वाला 2. पैतृक, मौरूसी, मूल पुरुषों से मिला हुआ पुं. 1. प्राचीन भारत में एक प्रकार के राज-मंत्री 2. जमींदार, भू-स्वामी।

मौल-बल पुं. (तत्.) बड़े जमींदारों की अथवा उनके द्वारा एकत्र की हुई सेना।

मौलवी पुं. (अर.) 1. अरबी भाषा का पंडित 2. इस्लाम धर्म का आचार्य 3. छोटे बच्चों को पढ़ाने वाला मुसलमान गुरु।

मौलसिरी स्त्री. (तद्.) 1. एक विशाल सदाबहार पेड़, बकुल टि. मौलसिरी की लकड़ी अंदर से लाल होती है, बीजों से तेल निकाला जाता है तथा फूल सफेद और मधुर सुगंध वाले होते हैं 2. उक्त वृक्ष के छोटे सफेद सुगंधित फूल।

मौला पुं. (देश.) उत्तरी भारत में होने वाली एक प्रकार की बेल जिसकी पत्तियाँ एक बालिशत तक लंबी होती हैं, जाड़े के दिनों में इसमें आधे इंच लंबे फूल लगते हैं, मूला, मल्हा बेल पुं. (अर.) 1. स्वामी 2. ईश्वर, परमात्मा 3. वह गुलाम जिसे मुक्ति मिली हो।

मौलाई स्त्री. (अर.) 1. मौला होने की अवस्था या भाव 2. स्वामित्व 3. सरदारी 4. प्रतिष्ठा।

मौलाना पुं. (अर.) 1. अरबी भाषा का पंडित 2. बड़ा मौलवी 3. मुसलमान विद्वानों के लिए आदरार्थक संबोधन।

मौलि पुं. (तत्.) 1. किसी पदार्थ का सबसे ऊँचा भाग, चोटी, सिरा, चूड़ा 2. मस्तक, सिर 3.

किरीट 4. नेता, सरदार 5. अशोक वृक्ष 6. पृथ्वी 7. जमीन, भूमि।

मौलिक वि. (तत्.) 1. मूल या जड़ से संबंध रखने वाला 2. मूल तत्व या सिद्धांत से संबंध रखने वाला 3. असली, वास्तविक, मूलभूत उदा. मानव हृदय की मौलिक भावना है स्नेह-प्रसाद 4. जिसमें किसी की नई सृष्टि प्रकट हुई हो।

मौलिकता स्त्री. (तत्.) 1. मौलिक होने की अवस्था या भाव 2. स्वयं अपनी उद्भावना से कुछ कहने, बोलने या लिखने की शक्ति अथवा गुण।

मौलि-पट्ट पुं. (तत्.) पगड़ी, साफा।

मौलि-मणि पुं. (तत्.) शिरोमणि।

मौली वि. (तत्.) जिसके सिर पर मौलि या मुकुट हो, मुकुटधारी स्त्री, पृथ्वी, भूमि, धरती।

मौलूद वि. (अर.) जन्मप्राप्त शिशु पुं. 1. जन्मतिथि 2. बेटा 3. दे. मौलूद-शरीफ।

मौलूद-शरीफ पुं. (अर.) 1. मुहम्मद साहब के जन्म से संबंध रखने वाली धार्मिक कथा 2. वह अवसर या समाज जिसमें सब लोगों के सामने वह कथा कही या पढ़ी जाती है।

मौल्य पुं. (तत्.) मूल्य।

मौषल वि. (तत्.) 1. मूषल संबंधी 2. मूसल के आकार का पुं. महाभारत का एक पर्व।

मौष्टा स्त्री. (तत्.) घँसों की मार या लड़ाई, मुक्कामुक्की।

मौसम पुं. (अर.) 1. वसंत आदि कोई ऋतु जैसे- वसंत ऋतु का मौसम 2. किसी कार्य के लिए उपयुक्त या निश्चित किया गया समय जैसे- यह तो परीक्षाओं का मौसम है।

मौसा पुं. (देश.) संबंध के विचार से माता की बहन का पति, मौसी का पति।

मौसिम पुं. (अर.) 1. किसी काम या बात के लिए उपयुक्त समय, अनुकूल काल 2. गरमी, बरसात, सरदी आदि के विचार से समय का विभाग।

मौसिमी वि. (अर.) 1. समयोपयोगी, काल के अनुकूल 2. किसी विशिष्ट मौसिम या ऋतु में होने वाला।

मौसिया वि. (देश.) मौसेरा, मौसी के संबंध का।